सुरक्षित ड्राइविंग

ड्राइविंग मैन्युअल और सड़क के नियम

प्राक्कथन

आज भारतवर्ष देश उन्नति की चोटियों को छू रहा है। वहीं दूसरी तरफ तरह–तरह की समस्याएं भी उजागर हो रही हैं। बहुत से नौजवान वाहन चलाते वक्त शराब पीकर, सिगरेट, तम्बाकू और मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं, जिसके कारण जान और सम्पति को नुकसान पहुँचता है।

यहां रोजाना समाचार आते हैं जिसमें बहुत से लापरवाह चालकों से दुर्घटनाएं हो जाती हैं व बहुत से लोग मर जाते हैं और जख्मी हो जाते हैं। हमें इसलिए सावधान रहना चाहिए ताकि हम इस श्रृंखला का हिस्सा न बन जाएं।

हमें ऐसे समाज का निमार्ण करना है जिसमें चालकों को शिक्षा द्वारा निपुण बनाया जा सके ताकि पदयात्री निडर होकर सड़को का प्रयोग करें। हम में से हर एक को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए, ताकि भविष्य में हमारे देश की सड़कें दुर्घटनामुक्त हो। यही हमारा मुख्य लक्ष्य होना चाहिए।

प्रकाशकः हयूवर्ट एबनर (इण्डिया) प्रा0 लि0
सी–18, चिराग एन्कलेव
नई दिल्ली–110048
फोन (011) 4610 7654
ई–मेल–driving@he-india.com वेबसाइटः www.he-india.com
© सर्वाधिकार सुरक्षित

संस्करणः मार्च 2000
संस्करणः अक्टूबर 2003
संस्करणः अप्रैल 2004
संस्करणः नवम्बर 2005
संस्करणः सितम्बर 2006
संस्करणः अगस्त 2007
संस्करणः जुलाई 2009
संस्करणः नवम्बर 2016

प्रकाशक की बिना अनुमति के इस पुस्तिका का कोई भी भाग प्रकाशित नहीं किया जा सकता है। न ही बिना इजाजत, किसी को रद्दोबदल करके या किसी दूसरे रूप में इलैक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, रिकार्डिंग अन्य के जरिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इस पुस्तिका को किसी के द्वारा किराए पर उपलब्ध कराने की अनुमति नहीं है।

सूची–क्रम

परिचय 1

भारतीय सड़क पटकथा 1

सड़क को इस्तेमाल करने वाले और सड़क के नियम 1

यातायात नियंत्रण के साधन 3

सामान्य जानकारी 3

यातायात पुलिस या प्रबंधक 3

यातायात संकेत (लाइट के साथ) 5

यातायात या सड़क के चिन्ह 7

आदेशात्मक चिन्ह 7

चेतावनी वाले चिन्ह 10

सूचनात्मक चिन्ह 15

यातायात या फुटपाथ का चिन्ह 17

सड़क मोबाइल फर्नीचर 19

सुरक्षात्मक ड्राइविंग व सड़क के नियम 21

लेन संचालन 21

चाल (स्पीड) 23

रुकने की दूरी (स्टॉपिंग डिस्टेंस) 25

आगे वाली गाड़ियों से दूरी (फॉलोइंग डिस्टेंस) 26

ओवरटेकिंग 28

बाएं व दाएं मुड़ना 30

पीछे की तरफ चलना 31

'यू' टर्न 32

सही रास्ता और चौराहों के संकेत 33

बिना बत्ती वाले जंक्शन पर 34

बत्ती वाले जंक्शन पर जाने का सही तरीका 35

गोल चक्कर 35

पार्किंग 36

सड़क इस्तेमाल करने वाले विभिन्न लोग 39

पैदल यात्री 39

साइकिल सवार 40

आपातकालीन गाड़ियां 41

धीरे चलने वाली गाड़ियां 41

बड़े व भारी वाहन 41

स्कूल बसें 41

ऑटो रिक्शा 42

दुपहिया 42

जानवर 43

स्पष्ट रूप से ट्रेनिगं वाली गाड़ियों से सावधानी 43

परिचय

भारत बहुत लम्बी दूरी की पेचीदा सड़कों का देश है जो कि अव्यवस्थित हैं।

आज लगभग 6 करोड़ गाड़ियां भारत में चल रही हैं और रोजाना इनकी संख्या बढ़ती जा रही है। इसी मुताबिक प्रायः यहां दुर्घटनाएं व उनसे होने वाली मृत्यु दर बढ़ती जा रही है।

यहां पर शिक्षित चालकों की जरूरत है। केवल गाड़ी चलाना सीखना, लाइसेंस बनाना, गाड़ी के प्रमाणपत्र पर्याप्त करना नहीं हैं। आपको सड़क के सुरक्षा नियम को जानना व उनका पालन करना चाहिए। हमारी सड़कों पर हमारे और मानवीय जीवन की रक्षा के लिए यह जरूरी है।

» भारतीय सड़क पटकथा

पिछले 50 वर्षों के सर्वे और आंकड़े के अनुसार भारत में मोटर, गाड़ियों में 170 गुना वृद्धि हुई है व सड़कें केवल 9 गुना ही बढ़ी हैं।

देश में गाड़ियों की आबादी 5.5 करोड़ है और 25 लाख हर वर्ष बढ़ रही हैं।

भारत में सड़कें और राजमार्ग पर दिन–रात गाड़ियां चलती रहती हैं। दुर्घटनाओं को रोकने व सड़कों का इस्तेमाल करने वाले लोगों को नुकसान से रोकने के लिए हर एक को यातायात के नियम की जानकारी जरूरी है।

राजमार्ग संकेत साधारण नियम दर्शाता है परन्तु उनका सही इस्तेमाल करने से सड़क की सुरक्षा बढ़ाने और जीवन बचाने में मदद मिलती है।

सड़क को इस्तेमाल करते वक्त निम्न बातें का ध्यान रखें :

- चालक की जिम्मेदारियां।
- चालक को सड़क के चिन्ह व नियम का ज्ञान होना चाहिए।
- उसे गाड़ी के रख–रखाव से जुड़ी जानकारी होनी चाहिए।
- गाड़ी चलाते समय पूरे अनुशासन में रहना चाहिए।
- अन्य सड़क प्रयोगकों के प्रति व्यवहार।
- चालक को मुश्किल और खतरनाक हालात में जल्दी व शीघ्र फैसला लेने की योग्यता होनी चाहिए।
- प्राथमिक चिकित्सा (फर्स्ट ऐड) का बुनियादी ज्ञान होना चाहिए।

» सड़कों का इस्तेमाल करने वाले लोग और कानून

गाड़ी चलाना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। यदि सड़क इस्तेमाल करने वालों को यातायात के नियमों की जानकारी हो तो वह आपनी व दूसरों की रक्षा कर सकता है।

यातायात के नियमों का ज्ञान व उनका इस्तेमाल, जिन्दगियां बचाने व दुर्घटना में कमी लाने में मदद करेगा।

सड़क का इस्तेमाल करने वालों में पैदल यात्री, बच्चे, बूढ़े नागरिक, अक्षम व अन्धे लोग व घोड़ा–गाड़ी, साइकिल सवार और साइकिल रिक्शा वाले आते है।

परिचय

यातायात नियम कानूनी जरूरत है क्योंकि इन्हें न मानने से अपराधिक धाराएं लग सकती हैं और जुर्माना भी। ड्राइवर को इनका ज्ञान होना चाहिए।

अशिक्षित और लापरवाह चालक कई जीवन व सम्पत्ति को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

एक लाख से ज्यादा लोग सालाना दुर्घटनाओं में मर जाते हैं।

लाखों जख्मी हो जाते हैं जिसमें पैदल यात्री, साइकिल सवार और दोपहिया के चालक होते हैं।

भारत में चालकों को गाड़ी चलाते समय अधिक सतर्क, दृढ़ निश्चयी होना चाहिए।

ड्राइविंग शिक्षा के अभाव के कारण बहुत मुश्किलें हो रही हैं। बहुत सी सड़क दुर्घटनाएं आदमी व उसके परिवार के लिए अभिशाप बन जाती हैं, जिसके कारण हम लोग नकरात्मक सामाजिक अर्थव्यवस्था, विकास और गरीबी की तरफ अग्रसर हो रहे है।

सड़क दुर्घटनाओं के कारण मृत्यु व शारीरिक अक्षमता पूरे संसार में बढ़ रही हैं। डब्ल्यू.एच.ओ. का अनुमान है कि सन् 2020 तक दुनिया में मौत का तीसरा सबसे बड़ा कारण सड़क दुर्घटनाएं होंगी।

सड़कों के हालात सुधारने के उपायः

- चालक को शिक्षित व दृढ़ निश्चयी होना चाहिए।
- सड़क की बनावट अच्छी होनी चाहिए।
- यातायात शिक्षण से लोगों की समझ बढ़ेगी और कानूनी अधिकारों का पालन करना आसान हो जाएगा।

निम्नलिखित योजनाएं धीरे–धीरे सड़क दुर्घटनाओं को कम करेंगी व सड़क को अच्छी सुविधाएं प्रदान करेंगी।

- अच्छी सड़कों की बनावट की योजना।
- सड़क सुरक्षा की सही प्रबन्धन तकनीक।

- सड़क इस्तेमाल की शिक्षा आधुनिक जरूरत के मुताबिक होनी चाहिए।
- सड़क को इस्तेमाल करने वालों को सड़क सुरक्षा नियमों का विशेष ज्ञान होना चाहिए।
- सड़क सुरक्षा का रिफ्रेशर कोर्स होना चाहिए।
- सुरक्षा तकनीक व सुरक्षात्मक ड्राइविंग के बारे में शिक्षा योजना बनानी चाहिए।

सड़क की सुरक्षा प्रत्येक आदमी की जिम्मेदारी है।

सुरक्षात्मक ड्राइविंग शिक्षा, सावधानी, संकेत, शिष्ट व्यवहार और सामान्य जानकारी का योग है।

यातायात नियंत्रण के साधन

300175

यातायात नियंत्रण के साधन सरकार का एक औजार है जिससे चेतावनी, सूचना और यातायात नियम सभी को सड़क पर नियंत्रित करता है व दुर्घटनाओं की रोकथाम करता है।

इस धारा के मुताबिक नियम की जांच की जाती है कि वह सड़क को इस्तेमाल करने वालों द्वारा सही प्रयोग किया जा रहा है या नहीं।

» सामान्य जानकारी

निम्नलिखित यातायात नियंत्रण के साधन हैं:

- यातायात पुलिस या प्रबंधक
- यातायात लाइट या सड़क के इशारे।
- यातायात या सड़क के चिन्ह।
- यातायात सड़क के ऊपर अंकित रेखाएं।
- अस्थायी नियंत्रण चिन्ह व अन्य उपकरण।

» यातायात पुलिस या प्रबंधक

हमारे यहां यातायात नियंत्रित करने के लिए दिल्ली सरकार द्वारा नियमित किए गए यातायात पुलिस प्रबंधन, एन.सी.सी. विद्यार्थी, होमगार्ड और अन्य लोग शिक्षा देकर यातायात को इशारों द्वारा यातायात नियंत्रण करने के लिए लगाए गए हैं। यातायात पुलिस जरूरत पड़ने पर सड़क सिग्नल के विपरीत भी इशारा दे सकते हैं जैसे यदि हरी लाइट जल रही है परन्तु यातायात पुलिस अधिकारी रूकने का संकेत दे रहा है तो आपको रूकना होगा।

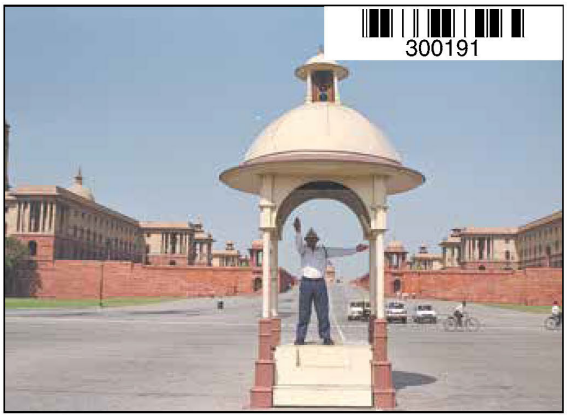
300191

यातायात पुलिस के हाथ के इशारे निम्न हैं:

- पीछे से आने वाली गाड़ी को रोकने का इशारा

300554

- सामने से आने वाली गाड़ी को रोकने का इशारा

300555

- चेतावनी–सभी रूकें

300556

- गाड़ी को रोकने का इशारा, जो सामने व पीछे से आ रही हैं।

300557

- बाएं और दाएं से आने वाली गाड़ियों को सीधा जाने के लिए इशारा।

300558

यातायात नियंत्रण के साधन

► बाएं व दाएं से आने वाली गाड़ियों को दाएं मुड़ने के लिए इशारा।

300559

► बाएं से आने वाली गाड़ी को सीधा जाने का इशारा।

300560

► बाएं से आने वाली गाड़ी को दाएं मुड़ने के लिए इशारा।

300561

► दाएं से आने वाली गाड़ीयों को सीधा जाने का इशारा।

300562

► दाएं से आने वाली गाड़ी को दाएं मुड़कर जाने के लिए इशारा।

300563

बायां मुड़ना

साधारणतया छोटे व मध्यम चौराहों पर बाएं मुड़ना फ्री नहीं होता है।

बाएं तरफ मुड़ने के लिए, किसी भी बड़े चौराहे पर यातायात सिग्नल देखकर ही आगे बढ़ें।

300754

किसी चौराहे पर यदि यातायात सिग्नल सड़क के बाईं तरफ लगाया गया है तो वहां बाएं मुड़ना फ्री नहीं होता। आपको तब तक इन्तजार करना है जब तक की आपको यातायात सिग्नल के द्वारा बाएं मुड़ने की आज्ञा नहीं मिल जाती है।

यातायात सिग्नल के अलावा यातायात चिन्ह भी लगाये गये होते हैं जो आपको संकेत देते हैं कि बाएं मुड़ना फ्री है या नहीं।

यदि अगर चौराहे पर बायां मुड़ना फ्री नहीं है तो लाइट के हरे होने का इन्तजार करें।

300565

यातायात नियंत्रण के साधन

» यातायात लाइटें

यह सामान्यतः चौराहों पर यातायात के प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए स्थापित की जाती हैं। सभी वाहनों को इन ट्रैफिक लाइटों के अनुरूप चलना चाहिए। आप जिस ओर जा रहे हों उस दिशा में अपने सामने वाली लाइट पर ही ध्यान दें।

यातायात लाइट जंक्शन के मध्य में स्थापित की जाती है। अगर डिवाइडर नहीं है तो ये सड़क के बाईं तरफ स्थापित की जाती हैं।

300203

प्रायः दो लाइटें लगाए गई होती हैं, एक आपके नजदीक व दूसरी सड़क के पार, अक्सर भीड़–भाड़ के कारण नजदीक वाली लाइट नजर नहीं आती है।

यातायात की लाइट तीन प्रकार की होती है जो निम्नलिखित दिखाई गई हैं:

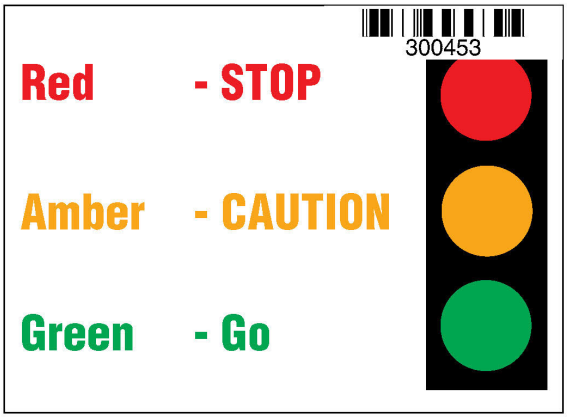

लाल लाइट

300202

जब ये जलती है तो उसका मतलब है **ठहरिए**।

यदि आपको बाईं तरफ जाना है और आपके लिए बाएं मुड़ना फ्री है तो आप जा सकते है।

पीली (ऐम्बर) लाइट

300204

यह एक चेतावनी है। यदि **लाल के बाद जलती है**, तो इसका मतलब है कि **जाने के लिए तैयार हो जाइए**। यदि यह **हरी के बाद जलती है** तो इसका मतलब है कि **रूकने के लिए तैयार हो जाएं**।

हरी लाइट

300206

हरी का मतलब है **आप जा सकते हैं अगर सुरक्षित है**।

बहरहाल, आपको हालात के मुताबिक रूकने के लिए सतर्क व तैयार रहना चाहिए।

लाल तीर लाइट

300493

इसका मतलब है कि जिस तरफ तीर है, उस तरफ जाने वाली गाड़ियां रूक जाएं।

हरी तीर लाइट

300505

इसका मतलब है कि जिस तरफ तीर है, उस तरफ जाने वाली गाड़ियां चल पड़ें।

यातायात नियंत्रण के साधन

जलती–बुझती लाल लाइट

इसका मतलब है कि आपको धीरे होना चाहिए और सभी तरफ से आ रहे यातायात को देखने के बाद ही सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। यह आम तौर पर रेलवे क्रॉसिंग, पुल, छोटी सड़कों आदि के आसपास लगाये जाते हैं।

हमेशा इन्हें अपनाएं:
- रुको
- देखो और
- सुरक्षित हो तो चलें।

जलती–बुझती पीली लाइट

इससे चेतावनी मिलती है। यह फिसलन भरी सड़क से मुख्य सड़क पर, डिवाइडर में कट या यातायात मिल रहा है, वहां पर चेतावनी के लिए लगी होती है।

हमेशा इन्हें अपनाएं:
- गाड़ी धीरे करें और
- सावधानी से आगे बढ़ें।

पैदलयात्री सिग्नल

यह पैदल सड़क प्रयोगकत्ताओं के लिए विशेष सिग्नल है। यह सिग्नल पैदल यात्रीयों को सुरक्षित सड़क पार करने के लिए लगाया जाता है।

सड़क पार करने के लिए हरी लाइट होने का इंतजार करें व जैबरा क्रासिंग का प्रयोग करें।

लाल का मतलब रूको

300212

जलने–बुझने का मतलब है लाल होने से पहले चेतावनी।

300216

हरी का मतलब आप सड़क पार कर सकते हैं।

300214